semester-1 MJC - 2025-2029 -

(Explanation of Emotional Intelligence)

संवेगात्मक बुद्धि में स्वयं की भावनाओं के समझने एवं उनके नियंत्रण करने की योग्यता महत्वपूर्ण है। लेकिन दूसरे की भावनाओं एवं संवेगों को समझना और उन्हें सम्मान देना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। जितना कि स्वयं के लिए, एक संसार की कल्पना कीजिए, जिसमें भावनाओं एवं संवेगों का कोई स्थान नहीं होता, तो कैसे महसूस होता हो जब एक मित्र दुःखी महसूस कर रहा है और एक कर्मचारी गुस्से में हो और हम उन भावनाओं को पहचान न रहे हों, मनोवैज्ञानिक इन्हीं योग्यताओं को सद्बुद्धि कहते हैं जिसमें भावनाओं की पहचान जा सकता है। कुछ वैज्ञानिक इस परिभाषा से भी अधिक महत्वपूर्ण मानते हैं। बुद्धि के अधिकतर सामाजिक बुद्धि को नियंत्रण मानते हैं। वहीं दूसरे और कई विद्वानों का मानना है कि स्थान की बुद्धि को अर्जित कर इसको परिवर्तन किया जा सकता है।

संवेगात्मक बुद्धि की विशेषताएँ —

संवेगात्मक बुद्धि की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं।

(1) संवेगात्मक बुद्धि का सम्बन्ध भावी कैरियर की सफलता एवं असफलता से होता है।

(2) संवेगात्मक बुद्धि का सम्बन्ध लोगों की चतुराई से लिया जाता है।

(3) चिंतन भी संवेगात्मक बुद्धि के प्राप्त किया जाता है।

(4) इसका सम्बन्ध स्वयं की भावनाओं के समझने से होता है।

(5) संवेगात्मक बुद्धि के द्वारा दूसरे व्यक्तियों को समझने का प्रयास किया जा सकता है।

(6) संवेगात्मक बुद्धि मन की योग्यताओं पर आधारित होता है।

(7) भावनाओं एवं संवेगों सम्बन्धी रचनाओं के आधार पर विभेदीकरण किया जाता है। तथा उनके लिंक को विदेशिक किया जाता है।

(8) व्यक्तियों में परस्पर अन्तःप्रक्रिया भावनाओं एवं संवेगों पर आधारित होती है।

(Development of Emotional Intelligence)
संवेगात्मक बुद्धि का विकास

आपकी प्रथम पुस्तक सन 1995 में संवेगात्मक बुद्धि पर प्रकाशित की थी, उसके बाद ही यह प्रत्यय अधिक चर्चा में आ गया। इस प्रत्यय का सर्वप्रथम विकास अमेरिका में हुआ, अतः विश्व भर में संवेगात्मक बुद्धि का विकास हो चुका है। जैसे-जैसे शोध होते रहे उन शोध कार्यों के आधार पर इस संवेगात्मक बुद्धि के समर्थन का प्रयास किया जा रहा है। संवेगात्मक बुद्धि के मापन हेतु परीक्षणों की रचना की गई है। संवेगात्मक बुद्धि के निष्पादन और उत्पादकता की व्यवस्था के रूप में समर्थन का प्रयास किया जा रहा है। जहाँ भावनाएं और संवेग प्रमुख है। अभी तक इस प्रत्यय को सार्वभौमिक रूप से स्वीकार नहीं किया गया है। क्योंकि इस प्रत्यय का वैज्ञानिक आधार नहीं है। मनोवैज्ञानिक इस प्रत्यय को अधिक महत्व मानते है। क्योंकि इस प्रत्यय की उपयोगिता व्यक्ति के भावी जीवन के लिए महत्वपूर्ण है। आपके अनुसन्धान में बताया कि उच्च भावनात्मक बुद्धि के साथ लोगों की अधिक से अधिक मानसिक स्वास्थ्य अनुकरणीय कार्य के प्रदर्शन और अधिक शक्तिशाली नेतृत्व कौशल का पता चला है।

Teacher's Signature ... 01/11/25